भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1815 का उत्तर

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रेलवे स्टेशनों का उन्नयन

1815. श्री जिया उर रहमान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश के आकांक्षी और पिछड़े जिलों में रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के लिए कोई नीति तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पश्चिमी उत्तर प्रदेश के स्टेशनों को उक्त कार्यक्रमों के अंतर्गत शामिल किया गया है; और

(घ) यदि हां, तो स्वीकृत कार्यों, किए गए व्यय और उनकी वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे की व्यवस्था
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था
- प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के तहत विकास के लिए 1,340 स्टेशनों को चिन्हित किया गया है, जिनमें से 14 आकांक्षी जिलों के स्टेशनों सहित 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश में स्थित हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत उत्तर प्रदेश के आकांक्षी जिलों से विकास के लिए चिन्हित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

उत्तर प्रदेश के आकांक्षी जिलों में स्टेशनों की संख्या और नाम				
क्र.सं.	जिला	राज्य	स्टेशनों की संख्या	आकांक्षी स्टेशनों का नाम
1	बहराइच	उत्तर प्रदेश	1	बहराइच
2	बलरामपुर		2	बलरामपुर, तुलसीपुर
3	चंदौली		3	चंदौली मझवार, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं, व्यासनगर
4	चित्रकूट		2	चित्रकूटधाम कर्वी, मानिकपुर जंक्शन
5	फतेहपुर		1	फतेहपुर
6	सिद्धार्थनगर		2	बढ़नी, सिद्धार्थ नगर
7	सोनभद्र		3	चोपन, रेणुकूट, सोनभद्र
		कुल	14	

उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिन्हित किए गए के लिए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग, अकबरपुर जंक्शन, अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनन्द नगर जंक्शन, अनोला, अयोध्या

		धाम जंक्शन, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदायूँ, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराइच, बालामऊ जंक्शन, बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जंक्शन, बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम, कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फ़तेहपुर, फ़तेहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, गौरीगंज, घाटमपुर, ग़ाज़ियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकरननाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज, कासगंज, काशी, खलीलाबाद, खोरासन रोड़, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग एवं जंक्शन), लखनऊ सिटी, मां बेल्हा देवी धाम, प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजगंज बिजली पासी, महोबा, मैलानी, मैनपुरी जं., मल्हौर जं., मानकनगर जं., मानिकपुर जं., मरियाहू, मथुरा, मऊ, मेरठ सिटी, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद, मुज्जफरनगर नगीना, नजीबाबाद जं., उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जं., फूलपुर, पीलीभीत, पोखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय, रायबरेली जं., राजा की मंडी, रामघाट हॉल्ट, रामपुर, रेनुकूट, सहारनपुर जं., सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जं., शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जं., शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर

		जं., सोनभद्र, श्री कृष्णा नगर, सुल्तानपुर जं., सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जं., उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जं., उतरेटिया जं., वाराणसी कैंट., वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, व्यासनगर, जाफराबाद

<u>स्टेशन जहां कार्य पूरे किए गए हैं:</u>

उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में पूरे किये गए स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	38	ऐशबाग जंक्शन, अयोध्या धाम जंक्शन, बछरावां, बहेरी, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, चुनार जंक्शन, डालीगंज, धामपुर, फतेहाबाद, फतेहपुर, गौरीगंज, गोला गोकरननाथ, गोमतीनगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, खलीलाबाद, मैलानी जंक्शन, मोदीनगर, मोहनलालगंज, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, पुखरायां, प्रयाग जंक्शन, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जंक्शन सलेमपुर, शामली, सिद्धार्थनगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी, विंध्याचल

अन्य स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्यकलाप तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के स्टेशन:

- गाजियाबाद स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार और द्वितीय प्रवेश द्वार की ओर नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, टूंडला छोर पर नया 8 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, रूफ प्लाजा, मौजूदा 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का विस्तार, मुख्य प्रवेश द्वार और द्वितीय प्रवेश द्वार पर विद्युत उपकेंद्र का फिनिशिंग कार्य किया गया है।

- हापुड़ स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र और पहुंच मार्ग में सुधार कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- मुजफ्फरनगर स्टेशन: द्वितीय प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का कार्य, 6 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, आधुनिक शौचालय, नया प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, लिफ्ट, एस्केलेटर, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, परिचलन क्षेत्र में सुधार और पार्किंग का कार्य किया गया है।

- मेरठ सिटी जंक्शन स्टेशन: भू-तकनीकी जांच का कार्य पूरा हो चुका है। मौजूदा स्टेशन भवन के सुधार और संरचना के पुनर्वास का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- नगीना स्टेशन: नए स्टेशन भवन का निर्माण, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग और नए 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट संस्थापन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- रामपुर स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्लेटफॉर्म सतह में सुधार का कार्य पूरा हो गया है। परिचलन क्षेत्र में सुधार और नए 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

- शाहजहांपुर स्टेशन: प्लेटफॉर्म सं. 1 और 2/3 पर प्लेटफॉर्म की सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर और मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन का अंतिम कार्य, परिचलन क्षेत्र और पैदल पार पुल का सुधार कार्य शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं।

स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पांच क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4,118 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक 1,256 करोड़ रुपए (जून, 2026 तक) का व्यय उपगत किया गया है।

******